पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा की

आयुष न केवल भारत की चिकित्सकीय परम्परा का प्रतीक, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण को परिभाषित करता : मुख्यमंत्री

उ0प्र0 को आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में लाने के लिए सभी प्रयासों को एकजुट, योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए

प्रदेश के प्रत्येक मण्डल में एक इण्टीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय की स्थापना की जाए, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी समेत आयुष की सभी पद्धतियों को एक ही परिसर में उपलब्ध कराया जाए

प्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति को जन–जन तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही

सभी आयुष संस्थानों में नेचुरोपैथी और योग सेंटर की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाए

प्रदेश के प्रत्येक जनपद में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर प्रारम्भ किए जाए

प्रदेश में आयुष विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए

निजी निवेशकों को आयुष सेक्टर में निवेश के लिए आकर्षित किया जाए

निजी क्षेत्र में संचालित आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों के बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, फैकल्टी एवं स्टाफ की गुणवत्ता का गहन परीक्षण कराया जाए

आयुर्वेद में पंचकर्म जैसी विशिष्ट पद्धतियां गम्भीर बीमारियों के उपचार में अत्यन्त प्रभावी, इन पद्धतियों को प्रदेश के सभी आयुष संस्थानों में बढ़ावा दिया जाए

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए अभी से तैयारियां शुरू की जाएं

लखनऊ : 17 मई, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आयुष न केवल भारत की चिकित्सकीय परम्परा का प्रतीक है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण को भी परिभाषित करता है। उत्तर प्रदेश को आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में लाने के लिए सभी प्रयासों को एकजुट, योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक मण्डल में एक इण्टीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय की स्थापना की जाए, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी समेत आयुष

की सभी पद्धतियों को एक ही परिसर में उपलब्ध कराया जाए। यह कदम न केवल आयुष चिकित्सा पद्धति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य–आधारित शिक्षा प्रणाली को भी सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति को जन–जन तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। सभी आयुष संस्थानों में नेचुरोपैथी और योग सेंटर की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाए और सभी स्वीकृत शैक्षणिक व चिकित्सकीय पदों को शत–प्रतिशत भरने की कार्यवाही समयबद्ध पूरी की जाए। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर प्रारम्भ किए जाएं, यह सेन्टर सरकारी या पी0पी0पी0 (पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में संचालित हो सकते हैं। आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध हो। प्रदेश में आयुष विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निजी क्षेत्र को भी इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निजी निवेशकों को आयुष सेक्टर में निवेश के लिए आकर्षित किया जाए। निजी क्षेत्र में संचालित आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों के बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, फैकल्टी एवं स्टाफ की गुणवत्ता का गहन परीक्षण कराया जाए ताकि कोई कमी न रह जाए। आयुर्वेद में पंचकर्म जैसी विशिष्ट पद्धतियां गम्भीर बीमारियों के उपचार में अत्यन्त प्रभावी हैं। इन पद्धतियों को प्रदेश के सभी आयुष संस्थानों में बढ़ावा दिया जाए। आयुष चिकित्सा की लोकप्रियता को देखते हुए यह समय भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत कर वैश्विक मंच पर स्थापित करने का है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डाबर, वैद्यनाथ और पतंजलि जैसी आयुर्वेदिक उत्पादक संस्थाओं के साथ एम0ओ0यू0 कर सभी आयुष चिकित्सालयों में आवश्यक दवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी मरीज को चिकित्सकीय उपचार के लिए दवा की कमी न हो।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्तमान में प्रदेश में 2,127 आयुर्वेदिक, 259 यूनानी और 1,598 होम्योपैथिक चिकित्सा संस्थान संचालित हैं, जो आयुष सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश देते हुए कहा कि इन संस्थानों की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरन्तर मॉनिटरिंग की जाए और आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए अभी से तैयारियां शुरू की जाएं। प्रदेश के सभी मण्डलों, जनपदों, नगर निकायों, ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके लिए प्रत्येक जनपद में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जो जनसामान्य को योग प्रशिक्षण दे सकें।

————————